

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: स्मृतियाँ पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-2अ/1 विषय वस्तु- तलाश उपविषय वस्तु :- अ) लेखक परिचय । आ) विविधता में एकता । इ) सृजनात्मकता पाठ्येतर विषय वस्तु *पत्रिका निर्माण *नारा लेखन *संवाद लेखन	विद्यार्थी अ) लेखक के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) भारत की विविधता में एकता को जान सकेंगे । इ) भावों को कलात्मक रूप से अभिव्यक्ति दे सकेंगे ।	विद्यार्थी अ)1.लेखक का परिचय जान कर उनके चरित्र की विशेषताएँ पाठ के आधार पर लिख सकेंगे । अ)2.लेखक ने सभाओं के माध्यम से कहाँ-कहाँ से, किस प्रकार से अखंड भारत का चित्र आम जन में खींचा है, उसकी सूची बना सकेंगे । आ) लेखक द्वारा दिए गए उदाहरणों के माध्यम से भारत के सभी राज्यों में खानपान, पहनावे, भाषा , संस्कृति के आधार पर विविधता होने पर भी आत्मा की एकसूत्रता को संवादलेखन के माध्यम से बता सकेंगे । इ)1.पुस्तकालय की सहायता से पत्रिका निर्माण के बिंदु लिख सकेंगे । इ)2. भारत के अतीत , उसकी शक्ति , विविधता में एकता आदि विषयों को समाहित करते हुए पाठ की लघु झांकी दिखाती कलात्मक पत्रिका का निर्माण कर सकेंगे तथा गतिविधि से जुड़े अपने अनुभव भी बता सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- पाठ की लघु झांकी को प्रस्तुत करती पत्रिका के निर्माण से संबंधित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-2अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि : परिशिष्ट संख्या :-2अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-2अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-2अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-2आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-2आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-2आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-2आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि अन्तःविषय संबंध :- इतिहास, सांस्कृतिक बोध, सामाजिक ज्ञान, अंग्रेजी साहित्य ।
विद्यालय भवन:-विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर मासिक पत्रिका को पढ़ कर उसके निर्माण के बिंदुओं को लिखेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -2अ/1

प्रश्न.1- भारत में किस धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं ?

संभावित उत्तर - भारत में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं ।

प्रश्न.2- भारत की संस्कृति कैसी है ?

संभावित उत्तर - विविधता में एकता लिए हुए ।

प्रश्न.3-इसके लिए हमें कैसे भारत की तलाश करनी होगी?

संभावित उत्तर- नहीं पता ।

कथन:- आइये 'तलाश' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि लेखक कैसे भारत की तलाश में है ।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -2अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -2अ/3

- कक्षा के विद्यार्थियों को सात समूहों में विभाजित किया जाएगा ।

क्रियाविधि के निर्देश:-

- सभी समूहों में से प्रत्येक समूह पत्रिका निर्माण से जुड़ा एक-एक कार्य चुनेगा ।

जैसे = 1) पहला समूह भारत के अतीत की झाँकी विषय पर सार लेखन ।

2) दूसरा समूह भारत की शक्ति और सीमा विषय पर निबंध लेखन ।

3) तीसरा समूह भारत की तलाश विषय पर प्रश्न निर्माण ।

4) चौथा समूह भारत माता पर नारे लेखन ।

5) पाँचवा समूह भारत की विविधता और एकता विषय पर कविता लेखन ।

6) छठा समूह जन संस्कृति विषय पर सचित्र प्रस्तुति ।

7) सातवाँ समूह मुख्य पृष्ठ निर्माण, विषय सूची और प्रस्तावना लिख कर संपूर्ण कार्य को पत्रिका के रूप में मूल्यांकन हेतु अध्यापिका को प्रस्तुत करेगा ।

मूल्यांकन के मानदंड

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -2अ/4

कार्यपत्र (परिशिष्ट संख्या -2अ/4)

पाठ : तलाश

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : पत्रिका-निर्माण

अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व पत्रिका निर्माण हेतु मुख्य बिंदुओं का ज्ञान :

पत्रिका निर्माण गतिविधि से सीखा :

पुस्तक और पत्रिका के अंतर को स्पष्ट करें ।

